Downloaded from www.studiestoday.com

अध्याय-9

वैश्वीकरण

स्मरणीय बिन्दु-

बीसवीं शताब्दी के अन्तिम 10 वर्षों में एक परिवार, एक राज्य, एक विश्व की भावना का विकास हुआ। यह भावना वैश्वीकरण कहलाती है अर्थात विश्व एकीकरण की भावना वैश्वीकरण है।

वैश्वीकरण-

विश्व के देशों का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक मेल मिलाप।

व्यक्ति, वस्तु, विचार, पूंजी का एक देश से दूसरे देश में मुक्त प्रवाह।

वैश्वीकरण न पूर्णतः आर्थिक, न पूर्णतः राजनीतिक, न पूर्णतः सामाजिक मेल है बल्कि इन सबका मिला जुला प्रभाव है।

वैश्वीकरण की विशेषताएं:-

1. आपसी जुड़ाव पर बल
2. आपसी जुड़ाव से हितों में समानता
3. आपसी जुड़ाव से संस्कृतियों में अन्तः क्रिया
4. प्रवाह में गति शीलता
5. उदार पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा
6. साझा बाजार को बढ़ावा
7. वैश्विक समस्याओं का हल, वैश्विक सहयोग

वैश्वीकरण के कारण :-

1. विज्ञान व तकनीक का विकास
2. देशों की आपसी निर्भरता

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3. वैश्वित घटनाओं का वैश्विक प्रभाव

4. परिवहन तथा संचार साधनों में उन्नति

5. उदारीकरण की नीति। बाजार व्यवस्था

6. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा विश्व को एक बाजार बनाने का प्रयास

वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभाव :-

(A) सकारात्मक प्रभाव-

1. सूचना तकनीक की उन्नति से राज्य की कार्य क्षमता में वृद्धि
2. आंतरिक प्रशासन प्रभावशाली
3. आपसी सहयोग से आतंकवाद पर अंकुश संभव

(B) नकारात्मक प्रभाव-

1. कल्याणकारी राज्य का स्थान उदारवादी राज्य ने लिया।
2. अहस्तक्षेप की नीति से राज्य के कार्य क्षेत्र में कमी।
3. बहुराष्ट्रीय नियमों के कारण राज्य की विदेश नीति प्रभावित
4. बहुराष्ट्रीय नियमों के कारण राज्य की सीमाओं पर नियंत्रण प्रभावित।

वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव :-

(A) सकारात्मक प्रभाव-

1. अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाओं द्वारा आर्थिक नीतियों का निर्धारण
2. आर्थिक प्रभाव बढ़ा
3. खुलेपन के कारण गरीबी कम हुई
4. समान व्यापारिक तथा श्रम नियमों से संतुलित आर्थिक विकास

(B) नकारात्मक प्रभाव :-

1. पूंजीवादी व्यवस्था से अमीरों की संख्या कम तथा गरीबों की संख्या अधिक हुई
2. सरकार ने गरीब व वंचित वर्गों के कल्याण कार्य व सुरक्षा कार्य कम हुए।
3. आर्थिक संस्थाओं ने गरीब देशों के हितों की अनदेखी की।
4. बहु राष्ट्रीय कम्पनियों से कुटीर उद्योगों को नुकसान तथा बेरोजगारी बढ़ी।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आर्थिक परिणाम :-

1. व्यापारिक प्रतिबंधों की कमी – देशों द्वारा आयात वस्तु पर प्रतिबंध लगाते थे उसमें कमी होना और निवेशकों द्वारा दूसरे देशों में धन लगाकर अधिक मुनाफा प्राप्त करना।

2. वीजा नीति – विकसित देश इस नीति द्वारा अपने राष्ट्र कर सीमाओं को अभेद्य बनाये रखते हैं ताकि दूसरे देश के नागरिक विकसित देशों में आकर नौकरी धन्धे न हथिया लें।

3. सामाजिक सुरक्षा कवच – इस नीति द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर तबको पर दुष्प्रभाव को कम करने की कोशिश की जायेगी।

वैश्वीकरण के सामाजिक प्रभाव :-

(A) सकारात्मक (लाभ) प्रभाव–

1. विदेशी संस्कृतियों के मेल से पसंदो का क्षेत्र बढ़ा।
2. वेशभूषा परिवर्तन
3. मेल मिलाप से खाद्य व्यवस्था प्रभावित

(B) नकारात्मक (हानि) प्रभाव–

1. धनी देशों की संस्कृति गरीब देशों के समाज पर प्रभावी
2. संस्कृति की मौलिकता समाप्त
3. विकासशील देशों की संस्कृतियों का पश्चिमीकरण
4. युवा पीढ़ी में तनाव

वैश्वीकरण का प्रतिरोध :-

वामपन्थी विचार के अनुसार वैश्वीकरण धनी वर्ग को बढ़ावा देकर, धनी तथा गरीब के अन्तर को बढ़ाया है।

दक्षिण पंथी विचारक संस्कृतियों की मौलिकता समाप्त तथा घरेलू उद्योगों पर हुए बुरे प्रभाव के कारण वैश्वीकरण का विरोध करते है।

विश्व स्तर पर वैश्वीकरण का विरोध करने के लिए World Social Forum नामक मंच बनाया गया है इस मंच की पहली बैठक 2001 में पोर्ट अलगोरे में हुई।

भारत और वैश्वीकारण–

ब्रिटिश भारत कच्चे माल का निर्यातक तथा तैयार माल का आयातक था। स्वतंत्रता के बाद घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए संरक्षण वाद की नीति अपनाई गई परन्तु आर्थिक वृद्धि दर धीमी रही। 1991 में विकास दर बढ़ाने के लिए आर्थिक सुधार कर विदेशी निवेश पर भारत में बल दिया गया

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

भारत निम्नलिखित तरीकों से वैश्वीकरण को प्रभावित कर रहा है

- भारत से लोग विदेशों में जाकर अपनी संस्कृति एवं रीति-रिवाज को बढ़ावा दे रहे है।

- भारत में उपलब्ध सस्ते श्रम ने विश्व के देशों को अपनी और आकर्षित किया है।

- भारत ने कम्पयूटर एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति करके अपना प्रभुंत्व जमाया है।

भारत व वैश्वीकरण का विरोध :-

सामाजिक आन्दोलनों तथा वामपंथी विचारकों ने इसके आर्थिक पक्ष का विरोध किया।

दक्षिण पंथी विचारकों ने इसके सांस्कृतिक पक्ष का विरोध किया जिसमें टी.वी. चैनलों पर पश्चिमी प्रभाव तथा वैलेन्टाइन डे आदि शामिल हैं।

एक इंटरनेशनल रिसर्च के दावे के अनुसार :-

- विश्व व्यापार में अमेरिका और यूरोपीय भागीदारी घट रही है और विकासशील देश अपनी बढ़ती उपभोक्ता मांगो, खास जरूरतों और सस्ते यातायात के कारण आपस में ज्यादा-से-ज्यादा व्यापार करने लगे हैं।

- अमेरिका व यूरोपीय कंपनी के लिए एशिया में कारोबार स्थापित करना तो आसान है लेकिन लागत और कीमत के अनुपात में स्थानीय उत्पादों से मुकाबला कर पाना कठिन है वे कम लागत और सीमित मार्जन का मंत्र जानती है।

- समान आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों वाले देश एक दूसरे की जरूरतों को बेहतर समझते है जैसे :- भारत के ग्रामीण रास्तों पर पंचर न होने वाले टायरों की जरूरत को चीन ने समझा।

एक अंकीय प्रश्न :-

1. वैश्वीकरण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
2. वैश्वीकरण के कौन-कौन से प्रभाव होते हैं?
3. आर्थिक वैश्वीकरण का क्या अर्थ है?
4. वैश्वीकरण का एक सकारात्मक प्रभाव लिखिये।
5. वैश्वीकरण का एक नकारात्मक प्रभाव लिखिये
6. मैक्डोनाल्डीकरण से आप क्या समझते हो?
7. भारत ने सन् 1991 में आर्थिक सुधारों की योजना क्यों आरम्भ की?
8. वैश्वीकरण के विरोध के विश्वव्यापी मंच का नाम लिखिये।
9. भारत में किन संगठनों ने बहुराष्ट्रीय नियमों के प्रवेश का विरोध किया?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

10. निम्न लिखित वाक्य को सही करके पुनः लिखिये।

"वैश्वीकरण के कारण राज्य की अहस्तक्षेपवादी प्रवृति के बजाय कल्याणकारी प्रवृति को बढ़ावा मिला है।"

11. वर्तमान समय में विश्व में कौन सी विचार धारा पाई जाती है?

12. संचार के क्षेत्र में तीन क्रांतिकारी साधनों के नाम लिखिए?

13. व्यापार संतुलन क्या है?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. संचार क्रांति का आगमन किन आविष्कारों के कारण हुआ?
2. विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के कारण क्या आसान हो गया है?
3. विश्व व्यापी आपसी जुड़ाव से आपका क्या आशय है?
4. वैश्वीकरण के कारण राज्यों ने अपने को किन कार्यों तक सीमित कर दिया?
5. विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास से राज्य की क्षमता में कैसे वृद्धि हुई है?
6. सामाजिक सुरक्षा कवच से आपका क्या अभिप्राय है?
7. वैश्वीकरण से विश्व में वस्तुओं के व्यापार पर क्या प्रभाव हुआ है?
8. सांस्कृतिक समरूपता तथा सांस्कृतिक विभिन्नता से आपका क्या आशय है?
9. वर्ल्ड सोशल फोरम के तहत कौन-कौन से समूह वैश्वीकरण का विरोध कर रहे हैं?
10. बहुराष्ट्रीय निगम से आप क्या समझते हो?
11. क्या साम्राज्यवाद ही वैश्वीकरण है स्पष्ट कीजिए।
12. कल और आज के वैश्वीकरण में क्या अन्तर है?
13. दो महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाओं के नाम बताइए?
14. भारत वैश्वीकरण को किन तरीको से प्रभावित कर रहा है। कोई दो कारण दीजिए?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. वैश्वीकरण में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का क्या योगदान है?
2. वैश्वीकरण की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. वैश्वीकरण के विश्व व्यापी विरोध की विवेचना कीजिए।
4. वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभावों का उल्लेख करो।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

5. वैश्वीकरण के सांस्कृतिक पक्ष की व्याख्या कीजिए।

6. आप कल्पना कीजिए कि क्या भविष्य में वैश्वीकरण भविष्य में जारी रहेगा?

7. प्रस्तुत कार्टून देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।

(A) इस कार्टून में वैश्वीकरण के किस प्रभाव को दिखाया गया है?

(B) यह कार्टून किस बात की तरफ इशारा कर रहा है?

नए बाज़ारों पर कब्ज़ा

8. नीचे दिए गए कार्टून देख कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दे?

(A) कल और आज से क्या अभिप्राय है?

(B) वैश्वीकरण के चार खतरे बताइये?

वैश्वीकरण के खतरे

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

छः अंकीय प्रश्न :-

1. वैश्वीकरण को प्रेरित करने वाली कौन सी परिस्थितियां (कारण) रही है?
2. भारत को वैश्वीकरण ने कैसे प्रभावित किया तथा भारत कैसे वैश्वीकरण को प्रभावित कर रहा है?
3. भारत में वैश्वीकरण की प्रक्रिया के लिए क्या-क्या प्रयास किये हैं?
4. वैश्वीकरण के भारत की अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव हुए हैं? विवेचना कीजिए।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु
2. आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा संस्कृतिक
3. विभिन्न देशों में आर्थिक प्रवाह तेज होना
4. तकनीकी ज्ञान और पूंजी का विकास हुआ
5. गरीब देशों का आर्थिक शोषण
6. विभिन्न संस्कृतियों पर अमेरिकी संस्कृति का प्रभाव
7. वित्तीय संकट दूर करना तथा ऊंची आर्थिक विकास दर प्राप्त करना
8. वर्ल्ड सोशल फोरम (W.S.F.)
9. किसानों तथा औद्योगिक मजदूरों ने
10. कल्याणकारी प्रवृति के बजाय अहस्तक्षेपवादी प्रवृति को बढ़ावा मिला है।
11. उदारीकरण, वैश्वीकरण
12. टेलीग्राफ, टेलीफोन व माइक्रोचिप
13. किसी देश के कुल आयात और निर्यात मूल्यों का अन्तर यदि बराबर हो तो व्यापार संतुलन होगा।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. टेलीफोन, टेलीग्राफ तथा माईक्रोचिप
2. विचार, व्यक्ति, वस्तु, पूंजी की आवाजाही आसान हुई
3. विश्व के लोगों में आपस में जुड़े होने की भावना
4. कानून व्यवस्था बनाये रखना तथा नागरिक सुरक्षा तक
5. नागरिकों के बारे में सूचना एकत्र करके प्रभावी कार्य करना
6. आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को वैश्वीकरण के बुरे प्रभावों से बचाने के संस्थानिक उपाय

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

7. (A) विभिन्न देशों में अपने आयात प्रतिबन्धों में कमी

(B) पूंजी के आवागमन पर रोक कम हुई

8. सांस्कृतिक समरूपता – विश्व संस्कृति के नाम पर दूसरे देशों पर अमेरिका की संस्कृति लादना।

सांस्कृतिक विभिन्नीकरण– विश्व में सभी संस्कृतियां पहले की अपेक्षा वर्तमान में कहीं ज्यादा विशिष्ट होती जा रही हैं।

9. मानवाधिकार कार्यकर्ता, पर्यावरणवादी, महिला कार्यकर्ता, मजदूर तथा युवा कार्यकर्ता एकजुट होकर।

10. वह कम्पनी जो एक से अधिक देशों में आर्थिक गतिविधियां चलाती हैं।

11. नहीं, साम्राज्यवाद में एक देश अपनी सीमा के बाहर के क्षेत्र के लोगों पर आर्थिक तथा राजनीतिक कब्जा करता है जबकि वैश्वीकरण में राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होता है।

12. पहले समय में वस्तु तथा तैयार माल का आवागमन था। परन्तु अब व्यक्ति वस्तु विचार पूंजी तकनीक तथा कच्चे माल का भी आवागमन है।

13. – अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

– विश्व व्यापार संगठन

14. – भारतीय लोग विदेशो में जाकर अपनी संस्कृति व रीति–रिवाज को बढ़ावा दे रहे है।

– भारत में उपलब्ध सस्ते श्रम ने विश्व को आकर्षित किया है।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :–

1. (A) टेलीफोन टेलीग्राफ तथा माईक्रोचिप से संचार क्रांति

(B) हमारे विचारों पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव पड़ा

(C) परिवहन साधनों से आवाजाही सुगम हुई

(D) राज्यों की सीमाओं को समाप्त सा कर दिया।

(E) समय, स्थान तथा दूरी प्राय: समाप्त

2. स्मरणीय बिन्दु देखें

3. स्मरणीय बिन्दु देखें

4. स्मरणीय बिन्दु देखें

5. स्मरणीय बिन्दु देखें

6. हां, क्योंकि

(A) प्रत्येक व्यक्ति तथा देश एक दूसरे पर निर्भर होगा

(B) कोई भी व्यक्ति अपनी आवश्यकता स्वयं पूरी नहीं कर सकता

(C) क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों का निर्माण आपसी निर्भरता के कारण

(D) भविष्य में विश्व सहयोग बढ़ेगा तथा विकसित देश दूसरे देशों का शोषण के बजाय सहयोग

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

करेंगे।

7. (A) सांस्कृतिक प्रभाव को दिखाया गया। सांस्कृतिक प्रभाव के कारण विश्व संस्कृति के जन्म की बजाय पश्चिमी संस्कृति को लादा जा रहा है। न चाहते हुए भी सांस्कृतिक वर्चस्व को स्वीकारना पड़ता है और अमेरिका नये बाजारों पर कब्जे करता जा रहा है।

(B) मैक्डोनाल्डीकरण की तरफ इशारा कर रहा है जिसमें विभिन्न संस्कृतियों का अमेरिकी संस्कृति के रंग में रंग जाती है।

8. स्मरणीय बिन्दु देखें।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।

2. स्मरणीय बिन्दु देखें।

3. (A) व्यापार नीति में सुधार

(B) औद्योगिक नीति में सुधार

(C) पूंजी बाजार में सुधार

(D) सरकारी उपक्रम, बीमा में प्रतियोगिता

(E) विश्व व्यापार संगठन का प्रभाव - अनेक वस्तु से सीमा शुल्क हटाया

(F) सरकार द्वारा प्रदत्त रियायतो का अन्त

(G) निजी बैंक खोलने की अनुमति

(H) बहु राष्ट्रीय कम्पनियों को व्यापारिक गतिविधियों की छूट

4. (A) सकारात्मक प्रभाव-

1. उत्पादकता सुधार से जीवन स्तर सुधारा।

2. प्रतियोगिता से कार्य कुशलता में वृद्धि

3. कम कीमत पर अच्छी सेवा तथा वस्तु उपलब्ध

4. निर्यात वृद्धि से विश्व व्यापार में भारत का योगदान बढ़ा

5. रोजगार के नये अवसरों का निर्माण

6. स्वदेशी प्रौद्योगिकी में सुधार हुआ

(B) नकारात्मक प्रभाव-

1. टेक्नोलॉजी से बेरोजगारी बढ़ी

2. प्रतियोगिता के कारण छोटे उद्यमी बाहर

3. गरीब लोगों की संख्या में वृद्धि

4. कम कुशल श्रमिकों पर बुरा प्रभाव

Downloaded from www.studiestoday.com